चलो आशियाना तलाशें

अशोक पटेल "आशु"

चलो एक नया,आशियाना तलाशें
जहाँ नफरतें हैं, उसे प्यार से तराशें
पुरी करें सपने,और सारी ख्वाहींशे
दूर हटादें सारे,गीले,शिकवे,खटासें।

कोई साथ रहकर, न समझे बेगाने
एक दूसरे को,नही समझे अनजाने
रिश्ते हो, दिल से दिलों तक सुहाने
दिलों से दूर हो जाए, सारे फ़साने।

दिल मे दौलत का, न हो कोई गुरुर
एक दूसरे का, हाले बयाँ करें जरूर
पास रहकर भी, हम न रहें कोई दूर
दिलों का मुहब्बत,न हो कभी बेनूर।